पेप्सीको इंडिया ने धान की खेती की नयी तकनीक का सफल परीक्षण किया

जालन्धर 9 नवम्बर (रविन्दर सैनी): पैप्सीको इंडिया ने आज यहां धान की सीधी बुवाई विधि के सफल परीक्षण नतीजों की घोषणा की।

डायरैक्टर सीडिंग तकनीक के प्रयोग से पानी की खपत में 40 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गयी है। इसी तरह से उत्पादन लागत में भी 1,000 रुपये प्रति एकड़ से अधिक की कमी आई है। जिन खेतों में इस विधि से धान की खेती की गयी थी, वहां अब इस फसल की कटाई चल रही है। पप्सीको इंडिया ने इस तरह के परीक्षण का अंतिम चरण जल्लोवाल में स्थानीय किसानों के सहयोग से 20 एकड़ जमीन पर पूरा किया है। इससे पहले भी पैप्सीको इंडिया पिछले तीन वर्षों से इसी तरह के प्रयोग जल्लोवाल स्थित अपने खुद के रिसर्च एवं डवैल्पमैंट विभाग की जमीन पर करती आ रही है। इस अवसर पर पेप्सीको इंडिया के एक्सपोर्ट एवं विदेशी मामलों के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, श्री अभिराम सेठ ने कहा कि धान की खेती को पानी की भारी खपत के लिए जाना जाता है। लम्बे समय तक इसकी खेती होने के कारण पंजाब में जल स्तर ही नीचे चला गया है। इसके अलावा, किसानों को पंप और ट्यूबवैल आदि अधिक समय तक चलाने के कारण ऊर्जा पर अधिक व्यय करना पड़ता है। भारतीय कृषि को अधिक प्रभावी बनाने के लिए पेप्सीको इंडिया ने तीन वर्ष पूर्व इस परियोजना की शुरूआत की थी। पेप्सीको इंडिया अपने प्रयोगों की सफलता से उत्साहित होकर धान की डायरेक्टर सीडिंग विधि के बारे में जागरूगता फैलाने के साथ साथ इस विधि को लोकप्रिय भी बनाना चाहती है, ताकि पानी की खपत में कमी आये और धान की खेती पर आने वाली लागत भी घटे। पंजाब में पेप्सीको इंडिया ने कृषि के क्षेत्र में 1989 में अपनी गतिविधियां प्राम्भ कीं। इस दौरान टमाटर और मिर्ची की अनेक नयी प्रजातियों का विकास किया गया तथा इनकी कृषि के उन्नत तरीके अमल में लाये गये। जिससे पंजाब के किसानों को खास तौर पर बहुत लाभ मिला है और इन दोनों फसलों की पैदावार भी बढ़ गई है।